भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1563
उत्तर देने की तारीख-09/02/2026

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अंतर्गत शैक्षिक संरचना

1563. श्रीमती रूपकुमारी चौधरी:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अंतर्गत प्रस्तावित 5+3+3+4 शैक्षिक संरचना को छत्तीसगढ़ राज्य में समग्र शिक्षा योजना के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया है और यदि हां, तो इसकी वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) पूर्व-प्राथमिक/बुनियादी, प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तरों के लिए उक्त संरचना के अंतर्गत पाठ्यक्रम संरचना, शिक्षण-अधिगम पद्धति और मूल्यांकन प्रणाली में किए गए प्रमुख संरचनात्मक परिवर्तनों का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या उक्त नीति के अनुरूप बुनियादी से माध्यमिक स्तर तक अधिगम परिणामों को मापने के लिए कोई मात्रात्मक संकेतक, बेंचमार्क या डैशबोर्ड विकसित किए गए हैं; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी जिले-वार और सामाजिक श्रेणी-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (घ): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में 3-18 वर्ष आयु वर्ग को शामिल करने वाले 5+3+3+4 के नए शैक्षणिक और पाठ्यचर्या पुनर्गठन के साथ स्कूल शिक्षा में मौजूदा 10+2 संरचना में संशोधन की परिकल्पना की गई है। तदनुसार, स्कूल शिक्षा के लिए पाठ्यचर्या और शिक्षाशास्त्र संबंधी संरचना और पाठ्यचर्या ढांचे को 5+3+3+4 डिजाइन, जिसमें बुनियादी चरण (आंगनवाड़ी/प्री-स्कूल के 3 वर्ष + ग्रेड 1-2 में प्राथमिक विद्यालय में 2 वर्ष; 3-8 वर्ष की आयु को शामिल करते हुए दोनों एक साथ), प्रारंभिक चरण (ग्रेड 3-5, 8-11 आयु वर्ग को शामिल करते हुए), मिडिल चरण (ग्रेड 6-8, 11-14 वर्ष की आयु को शामिल करते हुए), और माध्यमिक चरण (ग्रेड 9-12, 14-18 वर्ष की आयु को शामिल करते हुए) द्वारा निर्देशित किया जाना है। ऐसा पहली बार है कि ग्रेड 1 (3-6) से 3 वर्ष पहले को शिक्षा की निरंतरता में शामिल किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, इसने मौजूदा प्राथमिक स्कूलों के साथ बालवाड़ियाँ खोलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इससे 5+3+3+4 की शैक्षिक संरचना के कार्यान्वयन में मदद मिली है। स्कूलों में अब चरणबद्ध तरीके से प्री-प्राथमिक/बुनियादी/प्रारंभिक/मिडिल/माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर हैं। वर्तमान में, कुल 10491 प्राथमिक विद्यालयों में बालवाड़ी हैं जो प्री-प्राथमिक स्तर को सहायता प्रदान करते हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य ने राज्य के संदर्भ में अल्प बदलावों के साथ बुनियादी चरण के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ-एफएस) और स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (एनसीएफ-एसई) को अपनाकर बुनियादी चरण के लिए राज्य पाठ्यचर्या रूपरेखा (एससीएफ-एफएस) और स्कूल शिक्षा के लिए राज्य पाठ्यचर्या रूपरेखा (एससीएफ-एसई) विकसित की है। राज्य ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा 1, 2, 3, 4, 6 और 7 की नई पाठ्यपुस्तकों को अभिग्रहित किया है।

बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान (एफएलएन) कक्षा के कार्यकलापों का निरीक्षण करने और शिक्षकों को शैक्षणिक सहायता प्रदान करने के लिए प्री-प्राथमिक और बुनियादी स्तरों के लिए एक डैशबोर्ड विकसित किया गया है।

परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 (पूर्व में राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण) की शुरुआत राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र, परख, एनसीईआरटी द्वारा शिक्षा के बुनियादी (बालवाटिका 1 से ग्रेड 2), प्रारंभिक (ग्रेड 3 से 5) और माध्यमिक चरण (ग्रेड 6 से 8) के अंत में छात्रों द्वारा प्राप्त की गई अधिगम दक्षताओं के संबंध में क्रमशः ग्रेड 3, 6 और 9 में उनका मूल्यांकन करके आधारभूत प्रदर्शन को समझने के लिए किया गया था। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 के लिए छत्तीसगढ़ सहित राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय रिपोर्टें https://dashboard.parakh.ncert.gov.in/en पर उपलब्ध एक समर्पित डैशबोर्ड है जिसे मूल्यांकन के निष्कर्षों को साझा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

*****